हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड, धर्मशाला-176213

Himachal Pradesh Board of School Education, Dharamshala-176213

कमांकः हि0शि0बो0/39/पाठय पुस्तक/7/Vol-3/2017–928-30 दिनांकः 09.04.2019

प्रेषितः

समस्त मुख्याध्यापक,
राजकीय प्राथमिक/बोर्ड से सम्बद्धता प्राप्त निजि विद्यालय,
हिमाचल प्रदेश।

विषयः **पाँचवी कक्षा की पुस्तक कोड 506 "भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास" में शुद्वि बारे।**

मान्यवर,

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा पाँचवी कक्षा की **पुस्तक कोड 506 "भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम का इतिहास"** के **अध्याय 8 शीर्षक पण्डित पदम देव** में निम्न विवरण के अनुसार शुद्वि की गई है।

क0सं0	**अशुद्वि (अध्याय 8)**	**जो शुद्वि की गई है, को ऐसा पढ़ें एवं देखें।**
1	श्री सत्यानंद स्टोक्स के फोटो के स्थान पर	श्री पदम देव का वास्तविक फोटो संलग्न है।
	अशुद्वि (अध्याय 8) पैरा न0 3 की पहली पँक्ति।	**जो शुद्वि की गई है, को ऐसा पढ़ें एवं देखें।**
2	श्री जगमोहन रमौल के स्थान पर	श्री शिवानंद रमौल

अतः प्रदेश के समस्त प्राथमिक स्कूलो के मुख्याध्यापकों एवं छात्रों से अनुरोध है कि उपरोक्त विवरण के अनुसार की गई शुद्वि के अनुरूप छात्रो को पढ़ाये एवं छात्रों द्वारा पढ़ा जाये।

सचिव

पृष्ठांकन संख्याः यथोपरि दिनांकः .04.2019

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित हैः–

1. प्रधान सचिव (शिक्षा), हिमाचल प्रदेश सरकार शिमला–2।
2. निदेशक प्रारम्भिक शिक्षा हिमाचल प्रदेश शिमला–1।

सचिव

8. पण्डित पद्मदेव

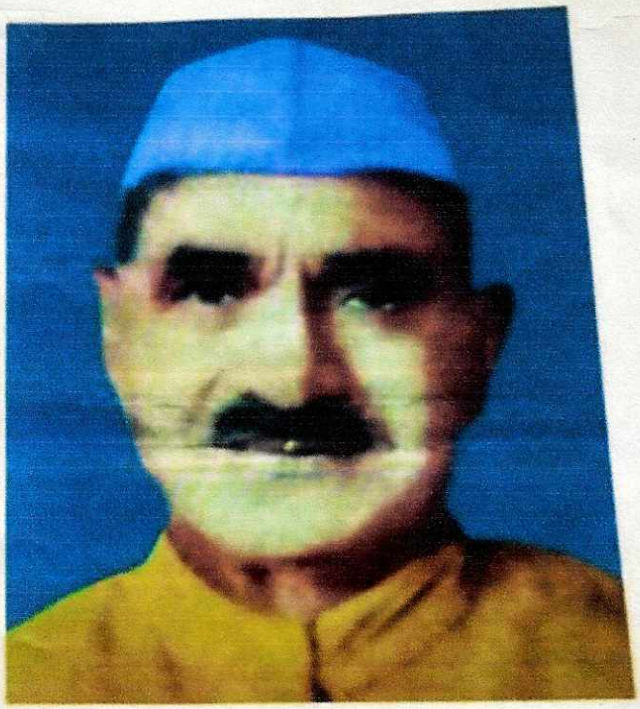

देव भूमि हिमाचल की धरा में जन्में पं० पद्म देव, स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों में अग्रणी थे। ज़िला शिमला की तहसील रोहड़ू के ग्राम भमनोली में सन् 1901 में इनका जन्म हुआ। रामपुर बुशहर से मैट्रिक तक की शिक्षा प्राप्त कर आप उच्च शिक्षा के लिये लाहौर गये। शिक्षा प्राप्ति के पश्चात् अछूतोद्धार व नारी कल्याण इनका मुख्य कर्मक्षेत्र रहा।

पण्डित जी शिमला पहुंच कर आर्य समाज के प्रचारक के रूप में कार्य करते रहे। सन् 1939 में इनके नेतृत्व में सत्याग्रहियों का एक जत्था हैदाराबाद गया, वहां से लौटने पर इन्होंने राजा धामी के विरुद्ध प्रजामण्डल के साथियों को सहयोग दिया। सन् 1940 में महात्मा गांधी के व्यक्तिगत सत्याग्रह से प्रेरणा लेकर आप भी हिमाचल की आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़े। कई बार जेल गये। शिमला की ऊपरी रियासतों में प्रजामण्डल के संगठन और प्रचार की जिम्मेदारी ली। इन्हें व भागमल सौहटा जी को सरकार के विरुद्ध गतिविधयों के कारण अपने गांव में नज़रबंद रखा गया।

ज़िला सिरमौर के कर्मठ स्वतंत्रता सेनानी श्री शिवानन्द रमौल के नेतृत्व में प्रजामण्डल के कार्यकर्त्ताओं ने पं. पद्मदेव जी के साथ सुकेत रियासत के करसोग व पांगणा से सत्याग्रह आरम्भ किया। हिमाचल निर्माता डॉ० यशवन्त सिंह परमार के साथ पं० पद्म देव हिमाचल की एक सलाहकार समिति के सदस्य मनोनीत किये गए।

https://mail.google.com/mail/u/0/?tab=rm#inbox/FMfcgxwBWTGgTJCNPrbFCSMVPnBzwhQX?projector=1&messagePartId=0.1 1/1

Verified
Attested
s/od
05-04-19